महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय

Mahatma Gandhi Antarrashtriya Hindi Vishwavidyalaya

(संसद द्वारा पारित अधिनियम 1997, क्रमांक 3 के अंतर्गत स्थापित केंद्रीय विश्वविद्यालय)

(A Central University established by Parliament by Act No. 3 of 1997)

ज्ञान शांति मैत्री

जनसंपर्क विभाग- Ph./Fax: 07152-252551 मो.9960562305 ईमेल-bsmirgae@gmail.com

---

सामाजिक सच्चाई की भावनाओं से फिल्मों में आया -ओमपुरी

पतंग, माई सन द फेनेटिक और ईस्ट इज ईस्ट का प्रदर्शन

वर्धा दि. 8 सितंबर 2011: सिनेमा समाज का आईना है। समाज की सच्चाई को उजागर करने वाले माध्यमों में से सिनेमा एक सशक्त माध्यम के रूप में जाना जाता है। मैं समाज की सच्चाई को नाटक और फिल्मों के द्वारा दर्शाने की भावना से ही फिल्म और नाटक से जुड़ गया। उक्त मत जाने-माने फिल्म अभिनेता ओम पुरी ने व्यक्त किये। वे महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय में 6 से 8 सितंबर को आयोजित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह में गुरूवार को उनकी फिल्म पतंग के प्रदर्शन के अवसर पर दर्शकों से मुखातिब हो रहे थे।

विश्वविद्यालय के हबीब तनवीर सभागार में फिल्म फेस्टिवल के तीसरे और अंतिम दिन गुरूवार को ओम पुरी की पतंग, माई सन द फेनेटिक और ईस्ट अज ईस्ट ये तीन फिल्में प्रदर्शित की गयी। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि मैं हमेशा से सामाजिक सच्चाई पर बनने वाले नाटक और फिल्मों का पक्षधर रहा हूं। पहले सामाजिक आशय पर बने नाटकों में काम किया और इसी भावना को लेकर फिल्मों में आया। उन्होंने कहा कि फिल्में केवल मनोरंजन भर का माध्यम नहीं है, वे समाज में जागरूकता लाने का भी एक प्रभावी और सशक्त माध्यम है। मनोरंजन को जीवन का एक अंग बताते हुए उन्होंने 'जाने भी दो यारों' जैसी फिल्में और आर. के. लक्ष्मण के कार्टुनों का जिक्र किया और कहा कि इनमें मनोरंजन के साथ सामाजिक सरोकार का भी जुड़ाव नजर आता है। 'तमस' का उदाहरण देकर उन्होंने कहा कि ऐसे धारावाहिकों ने समाज के करोडों लोगों को शिक्षित और संस्कारित किया है। आज के दौर की फिल्मों पर चिंता जताते हुए उन्होंने कहा कि अधिकतर फिल्मों में सच्चाई को छुपाकर तोडमरोडकर प्रस्तुत किया जाता है। फिल्मों में मनोरंजन के साथ-साथ सामाजिक जागरूकता का संदेश भी देना जरूरी होता है। उन्होंने महात्मा गांधी के नाम से अंतरराष्ट्रीय फिल्म समारोह आयोजित करने के लिए विवि के कुलपति विभूति नारायण राय को धन्यवाद दिया और कहा कि हमारी मेहनत को लोगों तक पहुंचाने के लिए विश्वविद्यालय ने जो प्रयास किया है वह प्रशंसनीय है। इस अवसर पर कुलपति विभूति नारायण राय, अतिथि लेखक सुरेश शर्मा, अजित राय सहित अध्यापक, कर्मी एवं विद्यार्थी बडी संख्या में उपस्थित थे।

बी एस मिरगे
जनसंपर्क अधिकारी

पोष्ट - मानस मंदिर, गांधी हिल्स, वर्धा-442001 (महाराष्ट्र), भारत
Post- Manas Mandir, Gandhi Hills, Wardha-442001 (Maharashtra), INDIA
Ph./Fax: (07152) 252651 ई-मेल/**E-mail: bsmirgae@gmail.com,** वेबसाईट/**Website:** www.hindivishwa.org